# राम प्रसाद बिस्मिलि

11 जून, 2023 को **राम प्रसाद बिस्मिलि की 126वीं जयंती** मनाई गई। अपने क्रांतिकारी विचारों और काव्य कौशल के लिये पहचाने जाने वाले बिस्मिलि ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध लड़ाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## बिस्मिलि के बारे में प्रमुख बिंदु:

- **जन्म:**
  - बिस्मिलि का जन्म 11 जून, 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले के एक गाँव में मुरलीधर और मूलमती के यहाँ हुआ था।
- **परिचय:**
  - बिस्मिलि आर्य समाज (वर्ष 1875 में दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित) में शामिल हो गए और **'बिस्मिलि' यानी 'घायल' या 'बेचैन'** जैसे नामों का उपयोग करते हुए एक **प्रतिभाशाली लेखक और कवि** बन गए।
  - एक भारतीय राष्ट्रवादी और आर्यसमाजी धर्मप्रचारक **भाई परमानंद** को मौत की सज़ा के बारे में पढ़कर **उनमें पहली बार देशभक्ति की भावना उत्पन्न** हुई।
    - वह तब 18 वर्ष के थे और उन्होंने अपनी कविता **'मेरा जन्म'** के माध्यम से अपनी पीड़ा व्यक्त की।
  - वह **गांधीवादी तरीकों के विपरीत स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी तरीकों में विश्वास करते** थे ।
- **राम प्रसाद बिस्मिलि का योगदान:**
  - **मैनपुरी षड्यंत्र:**
    - बिस्मिलि का कॉन्ग्रेस पार्टी की उदारवादी विचारधारा से मोहभंग हो गया और उन्होंने **'मातृवेदी'** नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की।
    - वे वर्ष 1918 के 'मैनपुरी षडयंत्र' में शामिल थे, जिसमें बिस्मिलि और दीक्षित को सरकार द्वारा प्रतिबंधित पुस्तकें बेचते हुए पाया गया था।
      - 28 जनवरी, 1918 को बिस्मिलि ने पैम्फलेट के रूप में अपने दो लेखों- **देशवासियों के नाम संदेश (अ मैसेज टू कंट्रीमेन)** और **मैनपुरी की प्रतिज्ञा** (**वाउ ऑफ मैनपुरी)** को आम लोगों में वितरित किया।
    - वर्ष 1918 में तीन मौकों पर उन्होंने अपनी पार्टी के लिये धन इकट्ठा करने हेतु सरकारी खजाने को लूटा।
  - **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना:**
    - **वर्ष 1920 में** उन्होंने सचिंद्र नाथ सान्याल और जादूगोपाल मुखर्जी के साथ **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** (HRA) का गठन किया।
    - HRA का घोषणापत्र मुख्य रूप से बिस्मिलि द्वारा लिखा गया, **जिसका उद्देश्य सशस्त्र क्रांति के माध्यम से संयुक्त राज्य भारत के रूप में एक संघीय गणराज्य** की स्थापना करना था।
  - **काकोरी कांड:**
    - **वर्ष 1925 में** काकोरी ट्रेन डकैती HRA की एक बड़ी कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य अपनी गतिविधियों और प्रचार हेतु धन प्राप्त करना था।
    - बिस्मिलि और उनके साथी **चंद्रशेखर आज़ाद एवं अशफाकउल्ला खान** ने लखनऊ के पास काकोरी में ट्रेन लूटने का फैसला किया।
    - वे अपने प्रयास में सफल रहे हालाँकि घटना के एक महीने के भीतर एक दर्जन अन्य HRA सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर लिये गए और उन पर **काकोरी षडयंत्र केस के तहत मुकदमा चलाया गया।**
    - यह कानूनी प्रक्रिया 18 महीने चली। **बिस्मिलि, लाहिड़ी, खान और ठाकुर रोशन सिंह को मौत की सज़ा** दी गई।
  - **कविता और लेखन:**
    - हिंदी और उर्दू में देशभक्ति छंदों सहित **बिस्मिलि के विपुल लेखन ने भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने हेतु प्रेरित किया।**
    - उनकी कविताओं में सामाजिक मुद्दों और समानता तथा मानवीय गरिमा के सिद्धांतों के लिये सरोकार परिलक्षित होता है।
  - **हिंदू-मुस्लिम एकता का समर्थन:**
    - साथी क्रांतिकारी कवि अशफाकउल्ला खान के साथ बिस्मिलि की घनिष्ठ मित्रता सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक थी।
    - फाँसी से पहले अपने आखिरी पत्र में **उन्होंने देश की सेवा के लिये हिंदुओं और मुसलमानों को एकजुट होने की आवश्यकता पर बल** दिया।
- **मृत्यु:**
  - **19 दिसंबर, 1927 को गोरखपुर जेल** में उन्हें फाँसी दे दी गई।

- राप्ती नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया था और इस स्थल को बाद में **राज घाट** नाम दिया गया।

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ram-prasad-bismil-1